
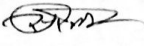
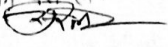
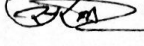


अज अदालत..... न्यायालय सहायक कलक्टर दौसा

..... बुद्ध को बनाम देवी मोहन

किस्म मुकदमानं० प्र. 3 नियम 13 CPC मुकदमा नं० 57/2015 सन् 2022

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
16 ¹ / ₂₀₂₃	आज PO साहब अन्य काम में/पेटिंग/दोरे में/बार द्वारा कार्यस्थगित होने से ता.पेशी दी गई। गत आदेशों की पालना में दिनांक 24/1/23 को पेशा हों। 	
24 ¹ / ₂₀₂₃	आज PO साहब अन्य काम में/पेटिंग/दोरे में/बार द्वारा कार्यस्थगित होने से ता.पेशी दी गई। गत आदेशों की पालना में दिनांक 25-2-2023 को पेशा हों। 	
3 ² / ₂₀₂₃	आज PO साहब अन्य काम में/पेटिंग/दोरे में/बार द्वारा कार्यस्थगित होने से ता.पेशी दी गई। गत आदेशों की पालना में दिनांक 9-2-2023 को पेशा हों। 	
9 ² / ₂₀₂₃	आज PO साहब अन्य काम में/पेटिंग/दोरे में/बार द्वारा कार्यस्थगित होने से ता.पेशी दी गई। गत आदेशों की पालना में दिनांक 10-2-2023 को पेशा हों। 	
10/02/23 पकील वाडी 34 टिन ल / पकील वाडी अ.ए.ए. 9/2/23		

बहल सुनी जाकर पत्रावली में उपलब्ध
 कागजात व दस्तावेजों का अवलोकन
 करने के साथ ही पुनः वाद में संलग्न
 दस्तावेजों का अवलोकन किया गया।
 बहल के दौरान वकील वादी द्वारा अधिसूचना
 किया गया कि प्राथमिक के विरुद्ध
 हलु उपलब्ध उक्त वाद बाबत प्राथमिक
 को कोई सूचना / नसीब नहीं कराई
 गई। ना ही उक्त वाद की समाप्ति
 उपलब्ध समाप्त होने के समाप्ति
 धारा में सुनिश्चित करने का सुनिश्चित
 करने के अर्थ में कोई सूचना प्राथमिक
 नहीं दी। प्राथमिक के विरुद्ध दिनांक
 13/10/99 को न्यायाधीशों की
 याचक निमित्त व दिनांक 14/10/99 को
 दी गई। निमित्त व दिनांक 14/10/99
 करने हुए प्राथमिक को वादी के
 करने वाले बहल व करने हेतु
 समाप्ति विवेकाधीन के माध्यम से
 जाने के आदेश किये जा रहे हैं।
 बहल के अधिसूचना पर विचार करने हुए
 हलु प्राथमिक व उक्त समाप्ति व निमित्त
 13 वीं वीं दिनांक से जाने हुए
 प्राथमिक निमित्त व दिनांक 14/10/99 को
 प्राप्त किया गया।
 प्राथमिक व उक्त आदेश व निमित्त
 13 के अंतर्गत -

अज अदालत..... न्यायालय सहायक कलक्टर दौसा

..... बनाम..... देवी मोहन

किस्म मुकदमानं०..... सन..... 2022.....

पुन्डू (वो)

बनाम

देवी मोहन

क्र. 3 नियम 13 Cr P C

क्र. 58/2015

सन 2022

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
	<p>" डिवाई लेने नामको ने लिखने डिवाई डिवाई परिवारी के लिखने एक पक्षीत पारित की गई है, यह परिवारी उमे अपाएन करते के आदेश के लिए आदेशन इस न्यायालय में कर लेंगे लिखने का यह डिवाई पारित की गई की जोर गई यह न्यायालय का यह न्यायालय कर देना है कि जज की न्यायालय सम्पत्ति रूप से नहीं की गई की यह यह वाड की पुनर्वादी के लिए पुनर्वादी होने पर उपलब्धता होने के डिवाई डिवाई पारित हुक्म के निगरान रेट था नी सम्पत्ति के बारे में; न्यायालय में जज करते के यह सम्पत्ति लेने निष्कर्षात् पर के यह 6/5 सम्पत्ति, न्यायालय यह आदेशन करेगा कि पक्ष नक डिवाई इस परिवारी के लिखने है वहाँ नक यह अपाएन कर की पार, जोर वाड में पारि. कारीवादी करते के लिए डिवाई नियम करेगा। "</p>	

